THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) The estimated cost per unit of power with BHEL equipments is the following:

Tmal plants	Rs. 2.50 crore/MW to Rs. 2.75 crores/MW
Combine cycle power plants	Rs. 2.80 crores/MW

(b) and (c) Information is being collected.

(d) Yes, Sir.

(e) The process for selection of the next incumbent is under way.

Established capacity of BHEL

2394 SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the established capacity in MW for manufacture of Theremal and Hydro Power generating unit of BHEL;

(b) the order position of BHEL for both hydro and hermal power during the next 5 years and the envisaged capacity utilisation thereof;

(c) whether there has been any standardisation of costs per MW for theremal, hydro and combined cycle gas turbine plant of BHEL; and

(d) if so, competitiveness vis-a-vis imported equipments supplied by foreign investors so far in GVK Jegrupadu Project Enron, ST-CMS Energy Neyvelli, etc.?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) The established capacity of BHEL for theremal and hydro power generating equipments is as under—

Thermal	4500 MW/Year
Hydro	1345 MW/Year

(b) The order book position of BHEL at present is about 7800 MW, which would amount to capacity utilisation as under:—

1994-95	1995-96	1996-97
55%	52%	34%

(c) Standarisation of equipment/rating, on which cost/CW is dependent, is being looked into by Central Electricity Authority.

(d) Information is being collected.

खादी और ग्रामोद्योग के विकास के लिए गठित समिति

2395. श्री राम लखमलानी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनकी अध्यक्षता में अगस्त, 1993 में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई थी और उसे खादी और ग्राम उद्योगों के सर्वांगीण विकास के संबंध में सुझाव देने के लिये तीन महीनों की अवधि के भीतर अपने प्रतिवेदन को भेजने का कार्य सौंपा गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को उक्त समिति का प्रतिवेदन प्राप्त हो गया है ;

(ग) यदि हां, तो खादी और ग्रामोद्योग के विकास के लिये गठित समिति द्वारा सुझाव कब दिये गये और वे सुझाव क्या-क्या थे;

(घ) सरकार को इस प्रतिवेदन के अभी तक प्राप्त न होने तथा इसमें हो रहे असाधारण विलंब के क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा समिति से प्राप्त हुये सुझावों को कार्यान्वित करने के लिये क्या क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) और (ङ) समिति की सिफारिशों की उपयुक्त कार्रवाई के लिये जांच की जा रही है ।

देश में लघु उद्योगों की स्थापना

2396. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में लघु उद्योगों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है ;

(ख) यदि हां, तो मार्च 1991 में और मार्च 1994 में देश में लघु उद्योगों की संख्या कितनी-कितनी थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त अवधि के भीतर लघु उद्योग क्षेत्र में रुग्ण इकाइयों की संख्या में भी वृद्धि हुई है ;

(घ) यदि हां, तो मार्च 1991 में और मार्च 1994 में इन उद्योगों में रुग्ण इकाइयों की संख्या कितनी-कितनी थी ;

(ङ) मार्च, 1994 में लघु उद्योगों में रुग्ण इकाइयों में राष्ट्रीयकृत बैंकों और सरकार द्वारा संचालित वित्तीय संस्थानों द्वारा कुल कितना पूंजी निवेश किया गया था ; और

(च) मार्च, 1994 के अंत में लघु उद्योगों में कुल निवेशित पूंजी की तुलना में इस पूंजी की प्रतिशतता क्या थी ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम अरुणाचलम) : (क) जी, हां ।

(ख) देश में 1990-91 के अन्त में लघु औद्योगिक एककों की संख्या 19.48 लाख थी जो 1993-94 के अन्त में बढ़कर 23.84 लाख (अनंतिम) हो गई है ।

(ग) और (घ) भारतीय रिजर्व बैंक देश में रुग्ण लघु औद्योगिक एककों से संबंधित सूचना का प्रमुख स्रोत है । भारतीय रिजर्व बैंक से उपलब्ध नवीनतम आंकड़े मार्च 1992 के अन्त की स्थिति के अनुसार हैं । रुग्णलघु एककों की संख्या मार्च 1991 के अन्त में 221472 थी जो मार्च 1992 में बढ़कर 245575 हो गई है ।

(ङ) मार्च 1992 के अन्त की स्थिति के अनुसार 245575 रुग्ण लघु औद्योगिक एककों पर 3100.67 करोड़ रुपए का बैंक ऋण बकाया था । अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं द्वारा पूंजी निवेश की कुल राशि से संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं है ।

(च) यद्यपि देश में रुग्ण लघु औद्योगिक एककों की संख्या रुग्ण कमजोर एककों की कुल संख्या का 99.1 प्रतिशत भाग है किन्तु मार्च 1992 के अन्त की स्थिति के अनुसार रुग्ण ऋण का केवल 26.9 प्रतिशत हिस्सा उनकी ओर बकाया था । कमजोर एककों पर बैंकों के कुल बकाया लघु औद्योगिक एककों पर बैंकों का 3100.67 करोड़ रुपये का ऋण बकाया था जो कुल बैंक ऋण का 2.4 प्रतिशत और उद्योग को बैंकों द्वारा दिये गये कुल अग्रिमों का 4.7 प्रतिशत हिस्सा है ।

Voluntary retirement scheme in BHEL

2397. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of officers of the BHEL who were granted retirement under BHEL's Voluntary Retirement scheme in each of the last three financial years; and

(b) whether priority would be given under this scheme to those officers who were superseded?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) 197 employees of BHEL were granted